अभ्यास पत्रक

पाठ – माता का आँचल

नाम :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

प्रश्न 1: बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) (1×5 = 5 अंक)

1. लेखक का बचपन का नाम क्या था?
   (क) शिवानंद (ख) तारकेश्वरनाथ (ग) भोलानाथ (घ) रमाकांत
2. लेखक के बाबूजी उन्हें किस नाम से पुकारते थे?
   (क) कन्हैया (ख) भोलू (ग) बाबू (घ) भोलानाथ
3. लेखक के अनुसार किस समय उन्हें 'कन्हैया' जैसा रूप मिलता था?
   (क) जब वह खेलते थे (ख) जब माँ तेल मालिश कर सजाती थी
   (ग) जब वे पिता के साथ राम-नाम लिखते (घ) जब वे नाटक करते
4. लेखक के खेलों में बाबूजी की भागीदारी कैसी होती थी?
   (क) मना करते थे (ख) सिर्फ़ देखते थे
   (ग) खुद भी भाग लेते थे (घ) डाँटते थे
5. लेखक संकट की स्थिति में किसकी गोद में सबसे सुरक्षित अनुभव करते हैं?
   (क) पिता की (ख) बड़े भाई की (ग) गुरु जी की (घ) माँ की

प्रश्न 2: रिक्त स्थानों की पूर्ति करें – (1×2 = 2 अंक)

1. लेखक की माँ _____ में कौर बनाकर उन्हें प्यार से खाना खिलाती थीं।
2. लेखक के पिता पूजा के बाद _____ बार राम नाम लिखते थे।

प्रश्न 3: लघु उत्तरीय प्रश्न (30–40 शब्दों में उत्तर दें) (4 में से कोई 3 करें) – (3×2 = 6 अंक)

1. लेखक के अनुसार पिता और माँ के प्रेम में क्या अंतर था?

उत्तर - .....

.....

.....

2. लेखक के खेल-खिलौनों में कौन-कौन सी चीजें शामिल थीं?

उत्तर - .....

.....

.....

3. लेखक की माँ उनका श्रृंगार कैसे करती थीं?

उत्तर - .....

.....

.....

4. लेखक ने 'माता का आँचल' को प्रेम और शांति का प्रतीक क्यों कहा है?

उत्तर - .....

.....

egyanarchive

……

प्रश्न 4: गद्यांश आधारित प्रश्न – (1×4 = 4 अंक)

"हम एक सुर से दौड़े हुए आए और घर में घुस गए। उस समय बाबू जी बैठक में हुक्का गुड़गुड़ा रहे थे… पर हमने मइयाँ के आँचल की – प्रेम और शांति की छाया – न छोड़ी।"

1. लेखक इतनी बुरी हालत में कैसे पहुँचे थे?

उत्तर - ……

……

2. बाबूजी ने क्या किया, जब उन्होंने लेखक की हालत देखी?

उत्तर - ……

……

3. लेखक ने बाबूजी की गोद में क्यों नहीं जाना चाहा?

उत्तर - ……

……

4. इस प्रसंग में मातृत्व का कौन-सा रूप सामने आता है?

उत्तर - ……

……

प्रश्न 5: दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (1×8 = 8 अंक) *उत्तर सीमा: 80–100 शब्द*

प्रश्न: 'माता का आँचल' पाठ केवल मातृस्नेह ही नहीं, बालपन की निश्छलता, ग्रामीण जीवन के सहज खेल, और पिता के साथ आत्मीय संबंधों की सुंदर झलक भी है। पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने कैसे इन सभी भावों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया है?

उत्तर - ……

……

……

……

……

……

……

……

……

……

egyanarchive

उत्तर कुंजी

प्रश्न 1 – MCQ उत्तर:

1. (ख) तारकेश्वरनाथ
2. (घ) भोलानाथ
3. (ख) जब माँ तेल मालिश कर सजाती थी
4. (ग) खुद भी भाग लेते थे
5. (घ) माँ की

प्रश्न 2 – रिक्त स्थान उत्तर:

1. तोता, मैना जैसे पक्षियों के नाम
2. हज़ार

प्रश्न 3 – लघु उत्तरीय उत्तर:

1. पिता का स्नेह अनुशासनयुक्त, जिम्मेदारी भरा और शांत था; जबकि माँ का प्रेम कोमल, वात्सल्यपूर्ण और सुरक्षा देने वाला था।
2. काठ का घोड़ा, सरकंडे के खंभे, मिट्टी की मिठाइयाँ, चूल्हा, तराजू आदि जैसे घरेलू सामानों से लेखक और उनके मित्र खेल करते थे।
3. माँ सिर में सरसों का तेल डालती, चोटी बनाकर फूलदार लट्टू बाँधती, रंगीन कुरता-टोपी पहनाकर 'कन्हैया' जैसा रूप देती थीं।
4. जब लेखक घायल होता है, डर के मारे काँपता है, तब माँ का आँचल ही उसे सुरक्षा और प्रेम की शांति देता है।

प्रश्न 4 – गद्यांश आधारित उत्तर:

1. लेखक साँप के डर से भागते-भागते काँटों से घायल होकर घर पहुँचे थे।
2. बाबूजी ने उन्हें पुकारा और अपनी गोद में लेने की कोशिश की।
3. लेखक उस समय भयभीत थे और उन्हें माँ की ममता अधिक आश्वस्त करती थी।
4. यह प्रसंग माँ की ममता, करुणा और सुरक्षा की भावना को अत्यंत मार्मिक रूप में दर्शाता है।

प्रश्न 5 – दीर्घ उत्तरीय उत्तर संकेत:

- लेखक ने बालमन की मासूमियत और ग्रामीण जीवन के विविध पक्षों को बड़े ही सहज रूप में प्रस्तुत किया है।
- पाठ में माँ का ममतामयी प्रेम, पिता का अनुशासित और आत्मीय संबंध, बच्चों के खेल, गाँव का सामाजिक जीवन – सब कुछ जीवंत होकर पाठक के सामने आता है।
- लेखक द्वारा राम-नाम लिखना, गंगा किनारे जाना, खिलौनों की दुकान, बारात निकालना – ये सब क्रियाएँ केवल खेल नहीं, एक भावनात्मक संसार का निर्माण करती हैं।
- अंत में जब लेखक माँ के आँचल में शरण लेते हैं, तो वह क्षण मातृस्नेह की चरम अनुभूति का प्रतीक बन जाता है।